GMT अनुसार 17 मार्च, 2022 को 00:01 AM तक प्रतिबंध के अधीन

वैश्विक समानता और महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए नेतृत्वकर्ताओं ने लॉन्च किया नया $1 बिलियन का जेंडर फ़ंड

- **जेंडर फ़ंड का लक्ष्य तंत्रों में बदलाव करके उन्हें अधिक निष्पक्ष और समावेशी बनाना है** ताकि सुनिश्चित हो कि कम-से-कम 100 मिलियन लोगों - चाहे वे जिस भी लिंग, वर्ग, नृजाति या नस्ल के हों - को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापरक शिक्षा और फलने-फूलने का मौक़ा मिले। इस लक्ष्य को अफ़्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के संगठनों को उनके बदलाव के विज़न को आगे बढ़ाने में उनकी मदद करके हासिल किया जाएगा।

- जेंडर फ़ंड अपनी ख़ास ताक़त इसके समर्थकों की विविधता, उनके नेतृत्व और उनके आपसी सहयोग से मिलती है; इसके समर्थकों में **कार्टियर फिलेन्थ्रॉपी, चिल्ड्रेन्स इन्वेस्टमेंट फ़ंड फ़ाउंडेशन, द एस्ती लोदेर (Estée Lauder) कंपनीज़ चेरिटेबल फ़ाउंडेशन, मैककेंज़ी स्कॉट (MacKenzie Scott) एवं डैन ज्वेट (Dan Jewett), मेलिंडा फ़्रेंच गेट्स एवं बिल एंड मेलिंडा गेट्स फ़ाउंडेशन, द रॉकफ़ेलर फ़ाउंडेशन, रोशनी नादर मल्होत्रा, थैंक्यू चेरिटेबल ट्रस्ट, टारगेट फ़ाउंडेशन, त्सित्सि मासियिवा (Tsitsi Masiyiwa) और अन्य शामिल हैं।**

- Co-Impact द्वारा संचालित इस फ़ंड को एक विश्वस्तरीय सलाहकार समूह से लाभ मिलेगा जो महिला अधिकारों, वित्त, सामाजिक बदलाव और पक्षधरता के क्षेत्र के विशेषज्ञों से मिलकर बना है जैसे **अनीता ज़ैदी (Anita Zaidi), क्रिस्टल सिमेओनी (Crystal Simeoni), एलिज़ाबेथ यी (Elizabeth Yee), लक्ष्मी सुंदरम (Lakshmi Sundaram), मेबल वन ओरांजे (Mabel van Oranje), रेबेका ग्यूमी (Rebeca Gyumi), तारा अब्राहम्स (Tara Abrahams), थिओ सोवा (Theo Sowa), विद्या शाह (Vidya Shah) और वंजीरू कामाउ-रूटेनबर्ग (Wanjiru Kamau-Rutenberg)।**

नैरोबी, 17 मार्च, 2022

आज Co-Impact साझेदारों, वित्तपोषकों और सलाहकारों के एक बढ़ते हुए समूह को गर्व के साथ लॉन्च व साझा कर रहा है जो संगठन के मॉडल, "तंत्रों में बदलाव के लिए सहयोगपूर्ण दान" को आगे बढ़ाने के लिए साथ आ रहे हैं।

GMT अनुसार 17 मार्च, 2022 को 00:01 AM तक प्रतिबंध के अधीन

जेंडर फ़ंड, जो लैंगिक समानता और महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए US $1 बिलियन जुटाने का लक्ष्य रखता है, दुनिया भर के परोपकारियों, फ़ाउंडेशनों, स्थानीय मूल वाले कार्यक्रम साझेदारों, सलाहकारों और निजी क्षेत्र को एकजुट कर रहा है।

हालाँकि पिछले दशक के दौरान लैंगिक समानता की फ़ंडिंग में वृद्धि हुई है, पर उस फ़ंडिंग का मात्र 1% ही महिला संगठनों तक पहुँचा है। जेंडर फ़ंड इस घोर अल्पवित्तपोषित स्थान में अच्छे-ख़ासे संसाधन लाएगा और "लिंगाधारित तंत्रों" को बदलने की दिशा में कार्य करेगा - लिंगाधारित तंत्र यानि वे अंतस्थ मानदंड, क़ानून, परिपाटियाँ, प्रतिबंध और निर्णय लेने की प्रक्रियाएँ जिन्होंने महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध तंत्रगत बाधाएँ और चिरस्थायी भेदभाव पैदा किए हैं।

जेंडर फ़ंड महिलाओं और लड़कियों के लिए सभी स्तरों पर - यानि घर-गृहस्थी और समुदाय से लेकर संस्थानों और सरकार तक - अपनी शक्ति, प्रतिनिधित्व और नेतृत्व का उपयोग करने की राह खोलेगा। यह फ़ंड यह सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय मूल वाले साझेदारों का वित्तपोषण करेगा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक तंत्र कार्य करें और वे उनके प्रति जवाबदेह हों जिन्हें सेवाएँ देने के लिए उक्त तंत्रों को बनाया गया है।

इस फ़ंड की अविलंबता पहले से कहीं अधिक है क्योंकि कोविड-19 की महामारी ने हमारे तंत्रों, संस्थानों और समाजों में लैंगिक असमानता और भेदभाव की गहरी हक़ीक़तें सामने ला दी हैं। महिलाएँ सुस्थापित बाधाओं का लगातार सामना कर रही हैं, जैसे हिंसा, सीमित प्रजनन अधिकार, कार्यबल में भेदभाव, और नेतृत्व में असमान प्रतिनिधित्व।

Co-Impact की संस्थापक और CEO ओलिविया लीलैंड (Olivia Leland) ने फ़ंड के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कहा:

"लैंगिक समानता के क्षेत्र में प्रगति करने के लिए हमें सरकार की संरचनाओं, क़ानूनों, नीतियों और प्रक्रियाओं में, बाज़ारों के कार्य करने के तरीक़े में, और सामाजिक मानदंडों को गढ़े जाने व लागू किए जाने के तरीक़े में तंत्रगत बदलाव की ज़रूरत है।

जेंडर फ़ंड का मिशन एक ऐसी दुनिया बनाने की आकांक्षा को पूरा करना है जहाँ तंत्र और समाज निष्पक्ष और समावेशी हों, और जहाँ सभी महिलाओं के पास सभी स्तरों पर शक्ति, प्रतिनिधित्व और नेतृत्व का उपयोग करने का मौक़ा हो।"

जेंडर फ़ंड अफ़्रीका, एशिया, और लैटिन अमेरिका में मुख्य रूप से महिलाओं के नेतृत्व वाले और स्थानीय मूल वाले संगठनों को विशाल, दीर्घकालिक और लचीला वित्तपोषण प्रदान करने के लिए अगले दशक के दौरान US $1 बिलियन जुटाने और उक्त संगठनों को दान में देने का लक्ष्य रखता है। अब तक फ़ंड को कुल US $320 मिलियन से अधिक के वित्तीय अंशदान मिल चुके हैं, और तीनों क्षेत्रों में अनुदान देने की प्रक्रिया पहले से ही जारी है।

GMT अनुसार 17 मार्च, 2022 को 00:01 AM तक प्रतिबंध के अधीन

महिलाओं और लड़कियों की वैश्विक पक्षधर और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फ़ाउंडेशन की सह-संस्थापक मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने कहा:

"*Co-Impact से साझेदारी करके, हम ऐसे कार्यक्रमों की पहचान कर सकते हैं जो महिलाओं को नेतृत्वकर्ताओं के रूप में अपने पूरे सामर्थ्य तक पहुँचने से रोकने वाली बाधाओं को हटाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।*

हमें समाज के हर स्तर पर बदलाव की ज़रूरत है। और इसकी शुरुआत महिलाओं के लिए ऐसे और दरवाज़े खोलने से होगी जिनके ज़रिए वे अपनी शक्ति तक पहुँच सकें और उनके जैसी अन्य महिलाओं का उत्थान करने वाली नीतियाँ गढ़ सकें। हमारे तंत्रों को आख़िरकार महिलाओं और लड़कियों के लिए कार्य करने हेतु फिर से बनाने का यह मौक़ा हमें हमारी पूरी पीढ़ी में दोबारा नहीं मिलेगा।"

Co-Impact लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयोग हो रही संपूर्ण फ़ंडिंग को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। महिला अधिकारों और ज़मीनी संगठनों, महिलावादी नेटवर्कों और वित्तपोषकों के साथ सहयोगपूर्ण ढंग से कार्य करना, सत्ता संबंधों में बदलाव लाने और लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने की कुंजी है। Co-Impact जुटाए गए फ़ंडों का कम-से-कम 10% महिलावादी और महिला अधिकार समूहों तथा आंदोलनों को प्रदान करेगा।

परोपकारी और सामाजिक उद्यमी त्सित्सि मासियिवा (Tsitsi Masiyiwa) ने कहा:

"ऐसा कोई 'एक' हस्तक्षेप, संगठन या समाधान नहीं है जो महिलाओं को समतापूर्ण और संतुष्टिदायक जीवन जीने से रोकने वाली हरेक बाधा को हटा सकता हो।

लैंगिक असमानता दुनिया के हर देश, क्षेत्र व समाज में मौजूद है और वह वहाँ अलग-अलग रूपों में सामने आती है। इस पहल के पीछे का विचार यह है कि संपूर्ण ईकोसिस्टम के हर घटक की अपनी एक भूमिका है जो उसे निभानी है, और इसलिए वह जेंडर फ़ंड के सपोर्ट के लिए पात्र है।"

मूर्त कार्यों के ज़रिए लैंगिक समानता और महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं के व्यापक ईकोसिस्टम के लिए विभिन्न प्रकार के अनुदान उपलब्ध हैं। लैंगिक समानता को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस विषय पर शोध व सीख उत्पन्न करने, एकत्र करने और प्रसारित करने के लिए भी संगठनों को Co-Impact से सहायता मिलेगी।
फ़ंड ने लैंगिक समानता की बड़ी बाधाओं को हटाने पर कार्य करने वाली पहलों के लिए शुरुआत में 15 अनुदानों के लिए फ़ंडिंग जुटाने तथा अनुदान स्वीकृत करने का कार्य शुरू किया था। इनमें तीनों क्षेत्रों में लिंगाधारित हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, लिंग समावेशी शिक्षा और महिला नेतृत्व शामिल हैं।

GMT अनुसार 17 मार्च, 2022 को 00:01 AM तक प्रतिबंध के अधीन

अगले दशक के दौरान Co-Impact का लक्ष्य जेंडर फ़ंड को बढ़ाना और 13 फ़ोकस देशों, नामतः भारत, इंडोनेशिया, श्री लंका, फिलीपींस, दक्षिण अफ़्रीका, केन्या, घाना, सेनेगल, नाइजीरिया, आइवरी कोस्ट, ब्राज़ील, पेरू और मेक्सिको, में पहलों को सहायता देना है।

-समाप्त-

संपादकों के लिए टिप्पणियाँ

आरंभ में इन पहलों को समर्थन दिया जा रहा है:

- ARMMAN
- एशिया जस्टिस कोएलिशन (Asia Justice Coalition)/ BRAC
- ब्रेकथ्रू ट्रस्ट (Breakthrough Trust)
- क्लूनी फ़ाउंडेशन फ़ॉर जस्टिस (Clooney Foundation for Justice)
- महिलाओं के लिए समान न्याय (एकिस खुस्तीकिया परा लास मुखेरेस/Equis Justicia para las Mujeres) AC
- GQUAL/CEGIL
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (Indian Institute of Technology)
- इंस्टीट्यूट फ़ॉर एफ़्रिकन विमेन इन लॉ (Institute for African Women in Law)
- इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ विमेन जजेस (International Association of Women Judges)
- इंटरनेशनल विमेन्स राइट्स एक्शन वॉच एशिया पैसेफ़िक (International Women's Rights Action Watch Asia Pacific)
- नेशनल काउंसिल ऑफ़ एप्लाइड इकॉनमिक रिसर्च (National Council of Applied Economic Research)
- हमारे शहर (नोसस सिदाजिस/Nossas Cidades)
- पार्टनशिप फ़ॉर इकॉनमिक पॉलिसी इंक. (Partnership For Economic Policy Inc)
- प्रोफ़ेशनल असिस्टेंस फ़ॉर डेवलपमेंट एक्शन (Professional Assistance for Development Action)
- Red ALAS/Universidad Torcuato di Tella

Co-Impact का परिचय

2017 में स्थापित Co-Impact एक वैश्विक संगठन है जो निष्पक्ष और समतापूर्ण तंत्रों के निर्माण पर केंद्रित है। यह संगठन दुनिया भर से परोपकारियों, फ़ाउंडेशनों और निजी क्षेत्र के साझेदारों को साथ लाकर फ़ंडिंग एकत्र करता है और उस फ़ंडिंग से अफ़्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में स्वास्थ्य, शिक्षा तथा आर्थिक अवसर के क्षेत्रों में तंत्रगत बदलाव लाने के प्रयासों की सहायता करता

है। स्थानीय मूल वाले कार्यक्रम साझेदारों और सलाहकारों के साथ मिलकर Co-Impact ने एक ऐसा वैश्विक सहयोग समूह बना लिया है जो अनुदान देकर और परोपकारिता को प्रभावित करके तंत्रों में समावेशी बदलावों, लैंगिक समानता और महिला नेतृत्व को बढ़ावा देता है।

Co-Impact का मानना है कि सत्ता, सभी तंत्रों के केंद्र में होती है। सत्ता से ही तय होता है कि तंत्र कैसे कार्य करते हैं, कौन कार्यसूचियाँ तय करता है और निर्णय लेता है, किसे तंत्र से लाभ मिलता है और उन लाभों को किस प्रकार साझा किया जाता है। अधिकतर स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक तंत्रों में कुछ मुट्ठीभर लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए इस सत्ता की बंदरबाँट हुई है।

Co-Impact के कार्यक्रम साझेदार उस संदर्भ और उन पद्धतियों को समझते हैं जो सत्ता की लगाम इस प्रकार खींचने के लिए ज़रूरी हैं जिनसे तंत्र सभी लोगों को समान रूप से लाभ पहुँचाएँ। संगठन की विविध टीम 4 महाद्वीपों के 7 देशों में फैली है, जहाँ वे कार्यकर्ताओं - यानि ज़मीनी संगठनों से लेकर सरकारों तक - के शक्तिशाली गठबंधनों को आपसी सहयोग से तंत्रों में ठोस और स्थायी बदलाव लाने में सहायता देते हैं।

जेंडर फ़ंड का परिचय

17 मार्च, 2022 को लॉन्च हुए जेंडर फ़ंड का लक्ष्य निम्नलिखित के लिए अगले 10 वर्षों में $1 बिलियन जुटाना और उसका संवितरण करना है:

- तंत्रों में बदलाव करके उन्हें अधिक निष्पक्ष और समावेशी बनाना ताकि 100 मिलियन लोगों - चाहे वे जिस भी लिंग, वर्ग, नृजाति या नस्ल के हों - को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापरक शिक्षा और फलने-फूलने का मौक़ा मिले।
- घर-गृहस्थी और समुदाय से लेकर संस्थानों और सरकारों तक, सभी स्तरों पर महिलाओं की शक्ति, प्रतिनिधित्व और नेतृत्व को बढ़ाना ताकि सभी स्तरों पर महिला नेतृत्वकर्ताओं की संख्या बढ़े और वे उनके समुदाय व समाज को प्रभावित करने वाले निर्णयों को प्रभावित करें।
- प्रगति को रोकने वाले हानिकारक लैंगिक मानदंडों को ख़त्म करना।

इस नए फ़ंड की अवधारणा पिछले तीन वर्षों में कार्यक्रम साझेदारों, अभ्यासकर्ताओं, वित्तपोषकों, सरकारों, नागरिक समाज संगठनों, शोधकर्ताओं, लिंग विशेषज्ञों और अन्य के साथ किए गए कार्यों से मिली सीखों पर, और एक व्यापक परामर्श प्रक्रिया पर आधारित है जिसमें महिला समूहों, लैंगिक समानता पर केंद्रित फ़ंडों, और महिलावादी कार्यकर्ताओं तथा विद्वानों को, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों से, शामिल किया गया है। इसे संभव बनाने के लिए जिन शुरुआती परोपकारियों और फ़ाउंडेशनों ने हाथ मिलाया है उनके नाम नीचे दिए गए हैं।

उन वित्तपोषकों की पूरी सूची जिन्होंने उनका आभार प्रकट किए जाने पर अब तक सहमति दी है

- कार्टियर फिलेन्थ्रॉपी (Cartier Philanthropy)
- चिल्ड्रेन्स इन्वेस्टमेंट फ़ंड फ़ाउंडेशन
- एस्ती लोदेर (Estée Lauder) कंपनीज़ चेरिटेबल फ़ाउंडेशन

- मेलिंडा फ्रेंच गेट्स और बिल एंड मिलिंडा गेट्स फ़ाउंडेशन
- विजय एंड मेरी गोरडिया फ़ाउंडेशन
- केट जेम्स (Kate James) और हैंस बिशप (Hans Bishop)
- ला अटालाया (La Atalaya) फ़ाउंडेशन
- मैककेंज़ी स्कॉट (MacKenzie Scott) एवं डैन ज्वेट (Dan Jewett)
- रोशनी नादर मल्होत्रा और शिव नादर फ़ाउंडेशन
- त्सि मासियिवा (Tsitsi Masiyiwa)
- एलिज़ाबेथ शीहैन (Elizabeth Sheehan)
- टारगेट फ़ाउंडेशन
- थैंक्यू चेरिटेबल ट्रस्ट
- द रॉकफ़ेलर फ़ाउंडेशन

Co-Impact को पूरे अफ़्रीका के परोपकारियों को साथ लाने के लिए त्सि मासियिवा (Tsitsi Masiyiwa) और एफ़्रिकन फिलेन्थ्रॉपी फ़ोरम के साथ कार्य करके, और भारत में इस कार्य को सहायता देने हेतु इसी प्रकार के मॉडल पर विद्या शाह और एडेलगिव (EdelGive) फ़ाउंडेशन के साथ कार्य करके बेहद ख़ुशी है।

मीडिया संपर्क

मीडिया पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें:

रेनी ओलेंडे (Renee Olende)
media@co-impact.org

BB-Partners
Co-Impact@bbpartners.co.uk